9 कुत्ते की सीख

रामधारी सिंह 'दिनकर'

(जन्म : सन् 1908 ई., निधन : सन् 1974 ई.)

रामधारी सिंह 'दिनकर' जी का जन्म बिहार के मुंगेर जिले के सिमरिया नामक गाँव में हुआ था । शिक्षा जगत में आप आचार्य, उपनिदेशक, कालेज के विभाग अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के कुलपति तक की यात्रा सफलता के साथ की है । आप राज्यसभा के सदस्य भी रहे है । इनकी कविताएँ राष्ट्रप्रेम, मानवप्रेम की परिचायक है । वे गाँधी विचारधारा से प्रभावित थे । वे प्रगतिशील सामाजिक चेतना के कवि थे । आपको भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सन्मानित किया गया ।

रेणुका, हुंकार, रसवंती इनके काव्यसंग्रह हैं । कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, जैसे प्रबंध काव्य लिखे हैं । अर्धनारीश्वर, मिट्टी की ओर तथा रेती के फूल इनके चिंतनात्मक निबंध हैं । संस्कृति के चार अध्याय इनकी प्रमुख गद्य रचना है ।

प्रस्तुत काव्य बच्चों के लिए लिखा गया है । कुत्ता और खरहे - की कहानी को काव्य के रूप में प्रस्तुत किया है । वे इस कथा में यह बताना चाहते है कि छोटा या बड़ा, ताकतवर या कमजोर जब अपने प्राणों पर आ जाते है, तब उनमें विशेष शक्ति का संचार होता है । ईश्वर ने ऐसी शक्ति सबको दी है ।

वन में एक घनी झुरमुट थी जिसके भीतर जाकर,
खरहा एक रहा करता था सबकी आँख बचाकर ।

फुदक-फुदक फुनगियाँ घास की चुन-चुनकर खाता था,
देख दूर से लोगों को झुरमुट में छिप जाता था ।

एक रोज आया उस वन में, कुत्ता एक शिकारी,
लगा छानने सूंघ-सूंघकर वन की झाड़ी-झाड़ी ।

आखिर वह झुरमुट भी आई, जो खरहे का घर थी,
मगर खैर उस बेचारे की लंबी अभी उमर थी ।

कुत्ते की जो लगी सांस, खरहा सोते से जागा,
देख पीठ पर खड़ा काल को जान लिये वह भागा ।

झपटा पंजा तान मगर, खरहे को पकड़ न पाकर,
पीछे-पीछे दौड़ पड़ा कुत्ता भी जोर लगाकर ।

चार मिनट तक खुले खेत में रही दौड़ यह जारी,
इतने में आ गई सामने घनी कंटीली झाड़ी ।

भरकर एक छलांग गया छिप खरहा बीहड़ वन में,
इधर-उधर कुछ सूंघ, फिरा कुत्ता निराश हो मन में ।

एक लोमड़ी देख रही थी, यह सब खड़ी किनारे,
कुत्ते से बोली : मामा ! तुम हो खरहे से हारे ।

इतनी मोटी देह लिए हो, फिर भी थक जाते हो,
वन के छोटे जीवजन्तु को भी न पकड़ पाते हो ।

कुत्ता हँसा : अरी दीवानी ! तू नाहक बकती है,
इसमें है जो भेद उसे तू समझ नहीं सकती है ।

मैं तो दौड़ रहा था केवल दिन का भोजन पाने,
लेकिन खरहा भाग रहा था अपनी जान बचाने ।

कहते हैं सब शास्त्र कमाओ रोटी जान बचाकर,
पर संकट में प्राण बचाओ, सारी शक्ति लगाकर ।

शब्दार्थ

झुरमुट वृक्षों-झाड़ियों का समूह, झाड़ी, **खरहा** जंगली खरगोश **फुदकना** उछलना **कंटीली** काँटों वाली **बीहड़** भयानक घना **दीवानी** पगली

मुहावरे

आँख बचा के रहना नजर से दूर रहकर या छिपकर जीना, **पीठ पर काल होना** सिर पर मौत होना

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

(1) सब की नजर बचाकर खरहा कहाँ रहता था ?

(अ) अपने बिल में (ब) झाड़ के तने में (क) झाड़ी में (ड) जंगल में

(2) खरहा क्यों भागा ?

(अ) शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था । (ब) खाना खत्म हो गया था उसकी तलाश में ।

(क) लोमड़ी उसके पीछे भाग रही थी । (ड) जंगल में आग लगी थी ।

(3) कुत्ता खरहे को क्यों न पकड़ पाया ?

(अ) कुत्ता खरहे के लिए भाग रहा था । (ब) खरहा अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था ।

(क) कुत्ते में खरहे को पकड़ ने की शक्ति न थी । (ड) खरहा बड़ा चालाक था ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

(1) खरहा कहाँ रहता था ?

(2) खरहा नींद से क्यों जाग गया ?

(3) कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ कहाँ और कब तक चली ?

(4) लोमड़ी क्या देख रही थी ?

(5) रोटी कमाने के विषय में शास्त्रों में क्या बताया है ? इस काव्य के आधार पर बताइए ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) खरहा कहाँ और कैसे रहता था ?

(2) खरहा झाड़ी से क्यों भागा ?

(3) कुत्ता निराश क्यों हो गया ?

(4) इस घटना को देखनेवाली लोमड़ी ने कुत्ते से क्या कहा ?

(5) कुत्ते ने लोमड़ी को क्या उत्तर दिया ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) 'कुत्ते की सीख' काव्य से क्या बोध मिलता है ?

(2) 'कुत्ते की सीख' को कहानी के रूप में लिखें ।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

कहते हैं सब शास्त्र कमाओ, रोटी जान बचाकर,
पर संकट में प्राण बचाओ, सारी शक्ति लगाकर ।

6. निम्नलिखित के पर्यायवाची शब्द दीजिए :

खरहा, झुरमुट, शिकारी, कंटीली, बीहड़, देह, दीवानी, शक्ति ।

7. निम्नलिखित के विरोधी शब्द दीजिए :

दूर, आखिर, पीछे, निराश, मोटी, कमाना

योग्यता-विस्तार

- इस कथा का नाट्य रूपांतर करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए ।
- अन्य संवाद काव्यों तथा कथा काव्यों का संग्रह कीजिए ।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- अपने जीवन की चिरस्मरणीय घटना का वर्णन कक्षा में कीजिए ।

●